fnukd 25 Qjojh 2017 dk **Ranchi Obstetrics & Gynaecological Society (ROGS)** d okf"kd lEesyu d volj ij ekuuh;k jkT;iky Jherh nkinh eeh dk vfHkHkk"k.k&

मुझे Ranchi Obstetrics & Gynaecological Society (ROGS) के वार्षिक सम्मेलन में आप सब के बीच उपस्थित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है। सबसे पहले मैं आपको बधाई देना चाहूँगी कि आपने महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दो को लेकर इस सम्मेलन का आयोजन किया है जिसका विषय है "Maternal Mortality : Conquering the Invincible".

समाज में चिकित्सकों का विशिष्ट सम्मान है। उन्हें भगवान का दर्जा दिया गया है। समाज को उनसे बहुत उम्मीदें रहती हैं। उन्हें जीवनदायिनी भी कहा जाता है। इसलिए सभी चिकित्सकों का भी दायित्व है कि मानव–सेवा के प्रति समर्पित रहें। वे निरोग समाज के निर्माण हेतु सभी को जागरूक करने का कार्य करें।

अभी भी बहुत–से लोगों में स्वास्थ्य और पोषण के बारे में जानकारी का अभाव है। महिलाओं में गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक भोजन की आवश्यकता होती है। खून की कमी (एनीमिया) हमारे ग्रामीण महिलाओं को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रही है यह बड़ी समस्या हैं। ग्रामीण क्षेत्र के हर दूसरी महिलाओं में खून की कमी (एनीमिया) है। एनीमिया के कारण

अन्य बीमारियों से महिलाओं को खतरा बढ़ जाता है। साथ ही बच्चों के जन्म के समय भी बच्चो में खूनी की कमी होती है। महिलाएँ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध साक–सब्जियों के माध्यम से भी पौष्टिक भोजन प्राप्त कर सकते हैं, जिससे एनीमिया पर काबू पाया जा सकता है।

महिलाओं के स्वास्थ्य में आंगनबाड़ी केन्द्रों व सहिया की भूमिका भी अति महत्वपूर्ण है। वे भी स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु समर्पित भाव से कार्य करें। महिलाओं के स्वस्थ जीवन व सुरक्षित मातृत्व हेतु अद्यतन रहें। इस कार्य में हमारे वरिष्ठ चिकित्सकों का मार्गदर्शन आवश्यक है। हमारे इन चकित्सकों का दायित्वों का है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में भी भ्रमण कर लोगों को जागरूक करने का कार्य करें।

मुझे आशा है कि इस सम्मेलन में कई नए विचारों, अनुभवों और अनुसंधान के निष्कर्ष सम्मेलन में आयेगें जिससे समाज को लाभ होगा।

जय हिन्द ! जय झारखण्ड !